सफलता की कहानी

परिसम्पति निर्माण के साथ रोजगार उपलब्ध

विकासखण्ड चारामा के डुबान क्षेत्र में बसे ग्राम करिहा के आश्रित ग्राम तुएगहन में सिंचाई की समस्या है एंव जल स्तर काफी नीचे चला गया है। ग्रामवासियों के अथक प्रयास एंव ग्राम सभा द्धारा मांग किये जाने पर इस प्रयास को बल मिला जब प्रशासकी स्वीकृति प्रदान कर दिनांक 21.02.2009 को कार्य प्रारंभ करा दिया गया। निर्माण होने से पहले उस जगह फसल उगाना संभव नहीं था क्योंकि वह जमीन बंजर था एंव जंगलों से लगा हुआ था उक्त तालाब निर्माण होने से वहां के जलस्तर बढ़ेगा एंव साथ ही साथ उस तालाब में मछली पालन कर हितग्राही स्वंय के लिए रोजगार उपलब्ध कराने के साथ –साथ दूसरों को रोजगार भी उपलब्ध करा सकता है जिसके हितग्राही के साथ–साथ वहां कार्य करने वाले की आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा।

तालाब के गहरीकरण से वहां पंजीकृत मजदूरों को तो आर्थिक रूप से लाभ हुआ एंव योजनांतर्गत परिसम्पति निर्माण तो हुआ ही साथ ही साथ वहां के लोगों को समय पर रोजगार उपलब्ध हो गया।

सफलता की कहानी

रोजगार गारंटी से साकार हुआ गांव की सड़क

विकासखण्ड चारामा क्षेत्र के सबसे सुदुर बसे ग्राम पंचायत मैनपुर विकासखण्ड़ चारामा से 22 किमी दूरी पर स्थित है। बरसात के दिनों में उक्त मार्ग से आवागमन कर पाना बेहद मुश्किल हुआ करता था। मिटटी सड़क होने की वजह से सड़क पुरी तरह कीचड़ हो जाता था पहाड़ के पास ही गांव के निस्तार एवं सिचाई के लिए तालाब भी जो काफी दुर्गम था एवं पहुच पाना मुश्किल था। इस सड़क के बन जाने से तालाब तक का सफर आसानी से हो जाता है, एवं खेती किसानी करने वाले कृषकों को खेत तक जाने मे सुविधा हुई सड़क के निर्माण से वहा एंक परिसम्पति का निर्माण तो हुआ ही साथ ही वहां के लोगों को घर बैठे रोजागर भी उपलब्ध हुआ। उन लोगों की आर्थिक स्थिति मे सुधार हुआ है।

केंद्र सरकार की इस महात्वकांक्षी योजना से ग्राम पंचायत मैनपुर के पंजीकृत परिवारों को 100 दिवस का रोजगार पाकर वे अपने पारिवारिक एवं आर्थिक स्थिति को सुधार रहे हैं एवं ग्राम सभा के माध्यम से किये गये कार्यो का सामाजिक अंकेक्षण कराकर योजनाओं को और बैहतर ढ़ग से एवं सुचारू रूप से चलाने के लिए प्रतिबद्ध हो गये। इस प्रकार इस योजना के कियान्वयन से वहां के गरीब तबके के लोग अपने आर्थिक स्थिति को सुधार कर रहे है।

सफलता की कहानी

सिंचाई की सुविधा को बल मिला

कोलियारी स्टाप डेम

अंतागढ़ विकास खण्ड के अतंर्गत ग्राम कोलियारी में स्थानीय नाले में ग्रामवासियों के मांग पर इस योजना का निर्माण राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी मद के अंतर्गत रूपये 25 लाख कि स्वीकृति प्रदान कि गई है। उक्त योजना का कार्य दिनांक 15. 03.2007 को प्रारंभ किया गया एवं दिनांक 17. 02.2009 को पूर्ण हो चुका है। इस योजना के निर्माण होने से ग्रामवासियों को सिंचाई एवं निस्तार हेतु पानी मिलेगा व ग्रामवासियों की मांग पुरी होने से वे संतुष्ट है। इस प्रकार से स्टापड़ेम के निर्माण से कृषकों को लगभग 10 हैक्टेयर भूमि में सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध होता है। अतः कृषकों के लिये सिंचाई में वृद्धि होगी।

सफलता की कहानी

लगभग 12 हेक्टेयर भूमि सिंचिंत

हड़फड़ स्टॉपडेम

विकासखण्ड दुर्गूकोंदल के अंतर्गत ग्राम पंचायत हामतवाही के ग्राम हड़फड़ स्टॉपडेम लागत रूपये 25.31 लाख की स्वीकृति राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी मद के अंतर्गत प्रदान की गई है । इस स्टॉपडेम के निर्माण कार्य ज.सं.वि. द्वारा 02.11.2008 को पूर्ण कर लिया गया है । उक्त योजना के निर्माण से ग्रामवासी एवं आसपास के ग्रामों के लोगों को रोजगार मिला साथ ही निस्तारी एवं सिंचाई उपयोग हेतु पानी प्राप्त होगा । एवं ग्रामवासियों की माग पूरी होने से वे संतु ट है । इस प्रकार इस योजना से लगभग 12 हेक्टेयर भूमि सिंचिंत हो सकता है ।

सफलता की कहानी

निस्तारी सुविधा से खुशियां लौटी

गांड़ागौरी स्टॉपडेम निर्माण कार्य

चारामा विकासखण्ड, जिला उत्तर–बस्तर कांकेर के ग्राम पंचायत गांड़ागौरी के अंतर्गत स्थानीय नाले पर , परियोजना अधिकारी जिला ग्रामीण विकास अभिकरण जगदलपुर के आदेश क्र. /3221/प्र. व.लि.वि./17/90/ जगदलपुर दिनांक 14.08.1995 के निर्देशानुसार NREGA के अंतर्गत जल संसाधन संभाग द्वारा 14.89 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति क्र. 1110/जि.पं. /214126 दिनाक 23. 05.2007 द्वारा गांड़ागौरी स्टॉपडेम का निर्माण किया गया है । इस योजना के निर्माण होने से लगभग 10 हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई उपलब्ध होगी तथा जल स्तर में वृद्धि होंगी । साथ ही इससे स्थानीय लोगों को निस्तार की सुविधा उपलब्ध होगी । स्थानीय लोगों का कहना है कि इस निर्माण से हमारे ग्राम के निस्तार सुविधा से हम ग्रामवासी खुशी महसूश कर रहे है ।

सफलता की कहानी

गुणवत्ता की मिशाल पुजारी पारा स्टॉपडेम

दुर्गूकोंदल विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम पुजारीपारा, एवं ग्राम पंचायत केलगपुरी में पुजारीपारा स्टॉपडेम का निर्माण जल संसाधन संभाग कांकेर द्वारा रा ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के अंतर्गत जिला पंचायत द्वारा प्राप्त स्वीकृति पश्चात् दिनांक 29.02. 2007 को प्रारंभ कर दिनांक 14. 03.2008 को पूर्ण कर लिया गया है । पुजारी पारा स्टॉपडेम के पूर्ण हो जाने पर सभी ग्रामवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है । उक्त योजना का कार्य अच्छी गुणवत्ता के साथ पूण्र किया गया है । भविष्य में स्टॉपडेम से ग्राम पचांयत एवं ग्रामवासियों के सहयोग से सिंचाई एवं निस्तार सुविधा उपलब्ध होगी ।

खुशी की लहर

(1) पखान्जूर स्टॉपडेम

कोयलीबेड़ा विकासखण्ड में पखान्जूर स्टॉपडेम का निर्माण जल संसाधन विभाग द्वारा वर्ष 2008–09 में रा ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के तहत् प्रारंभ किया गया था जिसे वर्ष 2009–10 में पूर्ण कर लिया गया है। इस कार्य के पूर्ण

होने से ग्रामवासियों को निस्तार एवं किसानों को पंप द्वारा सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी ।इस स्टॉपडेम के निर्माण में गुणवत्ता का विशेष रूप से ध्यान रखकर निर्माण कराया गया है। इस कार्य के पूर्ण होने से ग्रामवासियों में खुशी की लहर है। इस कार्य से लगे मजदूरों को रोजगार उपलब्ध हुई जिसका पूर्ण भुगतान किया जा चुका है। किसी का भुगतान   शेष नही है।

(2) पी.व्ही.112 स्टॉपडेम

कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के ग्राम पी.व्ही. 112 स्टॉपडेम का निर्माण जल संसाधन विभाग द्वारा वर्ष 2008–09 में रा ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के तहत् कार्य प्रारंभ किया गया था। जिसे वर्ष 2009–10 में कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इस कार्य के निर्माण कार्य पूर्ण होने से ग्रामवासी को निस्तार एवं स्थानीय कृषकों को पंप द्वारा सिंचाई सुविधा उपलब्ध होंगी।

इस स्टॉपडेम के निर्माण में गुणवत्ता का विशेष रूप से ध्यान रखकर निर्माण कराया गया है। इस कार्य के पूर्ण होने से ग्रामवासियों में खुशी की लहर है। इस कार्य से लगे मजदूरों को रोजगार उपलब्ध हुई जिसका पूर्ण भुगतान किया गया है। किसी का भुगतान   शेष नही है।

<u>सफलता की कहानी</u>

महिलाओं की उत्सुकता रोजगार गारंटी योजना में

वन ग्रमों चर्चा होते ही हमारे मन में सुविधा विहीन पिछड़ें गांवों की तस्वीर उभर कर सामने आती है। सामने आती है । ऐसे गांव जहॉ समुचित पेयजल, सड़क शिक्षा ,स्वास्थ्य एवं सिंचाई सुविधाओं का अभाव होता है । कांकेर जिले के वन ग्रामों के पहले ऐसी स्थिति थी भी परंतु 2006 से राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनांतर्गत होने वाले कार्यो से इन ग्रामों की हालत तेजी से सुधने लगी है । विकासखण्ड भानुप्रतापपुर के ग्राम पंचायत भीरावाही की महिलाओं ने रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत करवाये जाने वाले तालाब निर्माण कार्य की जिम्मेदारी लेकर महिला जागृति और उत्थान की दिशा में नया कदम बढ़ाया है साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूकता का परिचय भी दिया है

विकास स्व–सहायता समूह ग्राम भीरावाही की महिलाओं में इस काम के प्रति उत्साह है। उन्होंनें बताया है कि पिछले वर्ष से भीरावाही में कोई निर्माण कार्य नही होने से ग्रामीणों में रोजगार को लेकर काफी आक्रोश देखा जा था। आसपास की सारी पंचायतों में बहुत से कार्य करवाये जा रहें हैं जबकि इस ग्राम पंचायत में कोई भी कार्य नही हो रहा है, इस बात का दुख गांव वालों के मन में था जनपद पंचायत दुर्गूकोंदल द्वारा जब हमे तालाब निर्माण की जिम्मेदारी दी गई तो हमने इसे साहस स्वीकार कार लिया। ग्रामवासियों की इसकी जानकारी देन पर उन्होने में भी हमार उत्साह बढ़ाया। गांव में निस्तारी हेतु कोई तालाब या अन्य साधन नही होने कारण हमने इस कार्य को प्राथमिकता दी तालाब निर्माण कार्य 1 मई से प्रारंभ किया जाना था परंतु तेंदु पत्ता तोड़ाई के कारण इसे 7 मई से प्रारंभ किया गया। स्वः सहायता समूह की अध्यक्ष सुशीला दुग्गा, जमुनाबाई भोयेर एवं सदस्यगण चिंताबाई यादव, पदमाबाई रावटे, सुन्दरी कोमरा, विमलाबाई दुग्गा, गीता बाई गावड़े, आशो बाई पटेल, देवलीबाई यादव सभी ने यह विश्वास जताया की वे कार्य को बड़ी तल्लीनता से करने का प्रयास करेंगे। ग्रामीणों मे श्रवणकुमार जैन , भागीरती यादव, मंगिया यादव आदि ने बताया कि महिलाओं के द्वारा कराये जाने वाले इस कार्य से पूरा ग्राम प्रसन्न है। पुरे ग्राम का सहयोग महिलाओं को प्राप्त है । दुर्गूकोंदल विकास खण्ड की रोजगार गारंटी योजना की कार्यक्रम अधिकारी ने बताया की विगत दो माह से पांच लाख की लागत के तालाब निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति ग्राम पंचायत को मिली रोजगार गारंटी योजना कार्यक्रम में यह प्रावधान है कि निर्माण कार्य एजेंसी

द्वारा 15 दिनों के अंदर कार्य प्रारंभ नही करवाने के कारण निर्माण ऐजेंसी बदली जा सकती है इसके तहत निर्माण एजेंसी बदल कर महिला स्वःसहायता समूह को कार्य की जिम्मेदारी दे दी गई है। क्षेत्र में इस तरह का पहला प्रकारण है। इससे महिलाओं में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के कार्यों के प्रति उत्सुकता एवं प्रसन्नता देखी गई है और अगामी भविष्य में इसी तरह के कार्य करने का साहस द्विगुणित होता जा रहा है।

होट की मुस्कान और चेहरे की चमक

ग्रामीण क्षेत्रों मे काम के अधिकार को सुरक्षित करने के लिये अकुशल शारीरिक काम करने के इच्छुक सभी व्यस्कों को कानून द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी पर रोजगार की गारंटी देने वाला कानून काम के अधिकार को प्राप्त करना अन्य संवैधनिक अधिकारों जैसे जीवन का अधिकारी, भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार आदि के लिये भी आवश्यक है चूंकि ग्रामीण क्षेत्रो मे अकुशल शारीरिक श्रम की इच्छा रखने वाले सभी व्यस्क लोगों को रोजगार गारंटी देना काम के अधिकारों को दिलाना काम का अधिकार प्राप्त करने की दिशा में प्रमुख कदम होगा। अधिकार और मेहनत का भपूर लाभ लेने के लिये जनपद पंचायत नरहरपुर के ग्राम पंचायत देवरी बालाजी वर्ष 2007–08 में पुलिया निर्माण कार्य बढ़ी तेज गति से किया गया। गांव में पुलिया निर्माण नही होने से नदी का पानी बरसात के दिनों में जब उफान पर होता था। तो लोगों को आने जाने में असुविधा होती थी। किसान अपने पशुओं को चारागाह तक पहुंचाने में असहाय महसूस करते थे। गांव में पुलिया का आभाव होने से स्कूल जाने वाले बच्चों के लिये मार्ग अवरूद्ध हो जाता था। इन समस्याओं से जुझते लोगों के मन में पुलिया निर्माण करने की बात आई ऐस समय में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का कार्य प्रारंभ होते ही ध्यान बरबस ही पुलिया निर्माण की ओर खीच आया और ग्राम में ग्राम सभा का आयोजन कर गांव के लोगों ने सरपंच के समक्ष पलायन से बचने के लिये गांव में ही काम की मांग की सरपंच ने रोजगार गारंटी योजना के नियम–कानून को ताक में रख

कर अपने निकटतम जनपद पंचायत नरहरपुर में जाकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा कार्यक्रम अधिकारी को लिखित में पुलिया निर्माण करने के लिये आवेदन दिया तत्पश्चात मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने त्वरित कार्यवाही करते हुये पुलिया निर्माण के लिये आदेशित किया । ग्राम पंचायत देवरीबालाजी में पुलिया निर्माण को गांव वालों ने तेजगति से कार्य को अंजाम दिया। जिसमें अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति , अन्य पिछड़ा वर्ग तथा गांव के लोगों को समान रूप से काम करने का सुअवसर प्राप्त हुआ राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में कार्यरत मजदूरों को आज 69.00 रूपये से वृद्धि कर 72.23 रूपये का मजदूरी प्राप्त कर मजदूरों के चेहरों में एक नई चमक के साथ होट की मुश्कान और उनकी मेहनत की मजदूरी आत्म सम्मान के साथ जीवन यापन करने के लिये प्रेरित करती है। अब न लोगों में संकोच है न भय है। उनका यह मानन है कि रोजगार गांरटी योजना पलायन को रोकने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। और गांव में पुलिया निर्माण हो जाने से गांव की तरक्की लोगा का विश्वास, दृढ़संकल्प सब कुछ कथा की तरह लोगो की जुबान में खुदबखुद कहती है।

आवागमन मे उत्तरोतर वृद्धि

जिला कांकेर के विकास खण्ड दुर्गूकोंदल के ग्राम पंचायत पेड़ावारी मुख्य मार्ग से लगा हुआ है किंतु उसके आश्रित ग्रामों की स्थिति उतनी ठीक नही थी। कि एक आश्रित ग्राम से दुसरे ग्राम में जाने के लिये बहुत सारी परेशानियों को सामना करना पड़ता था। जनपद पंचायत रोजगार गारंटी योजना फरवरी 2006 से प्रारंभ है अतः ग्रामवासी इस योजना से पहले से अवगत है गांव में होने वाली परेशानियों को देखते हुये ग्राम पंचायत पेड़ावारी में सरपंच सचिव और रोजगार सहायक के माध्यम से ग्रामसभा आयोजित किया गया। जिसमे गांव के पंच , निगरानी समिति, गांव के बढ़ बुजुर्ग एवं ग्रामवासी उपस्थित थे। गांव में चौपाल में ग्रामवासियों से सलाह मसविरा कर यह निर्णनय लिया गया कि ग्राम पंचायत पेड़ावारी में आवगमन की असुविधा को देखते हुये मोखा से कोटपारा तक मिट्टीकृत पहुंचमार्ग बनाया जाय लेकिन गांव की एकता और आपसी प्रेम भाव से ग्रामवासियों का यह प्रस्ताव मिट्टीकृत पहुंचमार्ग बनाने में सफलीभूत हुआ। प्रस्ताव पारित होने के बाद ग्राम पंचायत में उत्साही सरपंच, ग्रामवासियों द्वारा दिये गये प्रस्ताव एवं मांग पत्र लेकर जनपद पंचायत पहुंचे वहा पहुंचकर कार्यक्रम अधिकारी को गांव में आवगमन से होने वाले परेशानियों से अवगत कराया और कार्य के लिये मांग पत्र प्रस्तुत किये कार्यक्रम अधिकारी के निर्देशानुसार तकनीकी सहायक द्वारा प्रांक्कलन तैयार कर कार्य का अनुमोदन करावाय गया। अनुमोदन पश्चात प्रशासकीय स्वीकृति एवं कार्यादेश जारी किया गया। सरपंच

द्वारा कार्यादेश प्राप्त कर कार्य प्रारंभ किया गया। इस तरह से ग्रामवासियों को ग्राम के विकास के लिये राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का भरपूर लाभ और मेहनत का पूरा दाम मिला। धीरे–धीरे इन वन ग्रामों की तस्वीर बदलते गई और पहुंच मार्ग निर्माण कार्य दिनांक 23.02.2008 को प्रारंभ कर प्रथम सप्ताह में ही 1679 मानव दिवस सृजित का कार्य संपन्न हुआ। इस कार्य में महिलाओं ने अपनी भरपूर सहयोग प्रदान किये इस प्रकार इस कार्य में 6174 मानव दिवस सृजित हुये बीच–बीच में निगरानी समिति एवं गांव के सरपंच, पंच, बढ़े बजुर्ग भी देख रेख के लिये जाते रहते थे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं कार्यक्रम अधिकारी कार्य के दौरान कई निर्देश दिये गये कार्य स्थल में मजदूरों के लिये रोजगार गारंटी योजना के तहत छाया, दवाई एव पेयजल की व्यवस्था कराई गई। ग्राम पंचायत पेड़ावारी के नौजवान साथी व अन्य संस्था से जुड़े लोगों का सहयोग मिलने से इस कार्य को गति मिला। अब गांव में मिट्टीकृत पहुंचमार्ग बन जाने से आवगमन में के साधन में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। जिसका लाभ आज गांव वाले भली–भांति ले रहें है।

सफलता की कहानी

प्रस्तावना :– चारामा विकासखण्ड के सबसे सुदुर बसे ग्राम पंचायतों में से एक जहां के निवासियों का मुख्य व्यवसाय उनके पारंपरिक कार्य तेन्दुपत्ता संग्रहण एवं कृषि कार्य जिनमें धान की खेती प्रमुख है वहां के लोगों के पास यह कार्य करने के अलावा अन्य कोई कार्य नही होने की वजह से गांव में पलायन की स्थिति निर्मित होती यदि सरपंच शाहवाड़ा द्वारा उक्त कार्य को करवानें के लिये ग्रामीणों के हस्ताक्षर युक्त मांग पत्र मुख्य कार्यपालन अधिकारी चारामा के समक्ष लेकर तुरंत इस कार्य को प्रारंभ करने का आश्वासन दिया ताकि पलायन की स्थिति को रोका जा सके ।एवं गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराकर गांव वालों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाया जा सके । यह डब्लु. बी .एम . सड़क निर्माण कार्य है पूर्व में इस सड़क का निर्माण किया गया था परन्तु मिटटी सड़क होने की वजह से कीचड़ में सन जाता था । अतः ग्रामवासियों की मांग पर उक्त कार्य को डब्ल्यू .बी.एम. सड़क करवानें हेतु आवेदन दिया गया ।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कांकेर द्वारा उक्त कार्य का विधिवत अनुमोदन लिया जाकर इस कार्य को प्रारंभ किया गया संबधित तकनीकी सहायक द्वारा कार्यप्रारंभ ले आउट दिया जाकर किया गया। समय समय पर कार्य का निरीक्षण कर कार्य कर रहे मजदूरों से भी उनके कार्य एवं भुगतान से संबंधित आवश्यक जानकारी हासिल किया । तकनीकी सहायक द्वारा कार्य का सतत मुलयांकन एवं निरीक्षण किया गया एवं जरूरी दिशा निर्देश कार्यस्थल पर उपस्थित मेट एवं रोजगार सहायक को दिया गया ।

लाभः– रा. ग्रा. रो.गा.यो. के अंतर्गत ग्राम पंचायत शाहवाड़ा द्वारा उक्त कार्य को कराया गया जिससें वहां के पंजीकृत गरीब परिवारों को गावं में रोजगार की प्राप्ति हुये । बैंक एवं डाकघर से भुगतान की वजह से ग्रामीणों में बचत की भावना भी पैदा हुई जिससे वे जरूरत पड़नें पर राशि आहरण कर रहे है। एवं उनके आर्थिक स्थिति में भी पहले से काफी सुधार हुआ ।

उपयोगिताः– इस सड़क के बन जाने से बरसात के दिनों में होनें वाली परेशानी एवं दोनों गावं को आपस में जुड़ जाने से आवागमन सुगम हो गया है । डब्ल्यु.बी.एम.सड़क होने से कीचड़ की समस्या हल हो गई एवं सड़क में आवगमन सूचारू रूप से चल रहा है ।

<u>सफलता की कहानी</u>

ग्राम पंचायत भैराडीह :— ग्राम पंचायत भैराडीह के आश्रित ग्राम सिलतरा जो कि जनपद पंचायत कांकेर अंतर्गत जिला मुख्यालय कांकेर के पश्चिम दिशा में 22 किमी. की दूरी पर यह ग्राम भानुप्रतपपुर मुख्य मार्ग से 2 किमी. अंदर पर बायी ओर स्थित है ।

ग्राम पंचायत भेराडीह की जनसंख्या 1287 है । राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनांतर्गत पंजीकृत परिवारों की संख्या 252 है । जिसमें पंजीकृत मजदूरों की संख्या 710 है । आश्रित ग्राम सिलतरा में पंजीकृत परिवारों की संख्या 111 है ।

उक्त ग्राम पंचायत से 115 पंजीकृत जॉब कार्डधारियों के द्वारा रोजगार की मांग किये जाने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उत्तर बस्तर कांकेर के अनुमोदन कमांक/979/दिनांक 01.05.2008 के आधार पर कार्यालयीन आदेश/60/दिनांक 01.05.2008 के द्वारा पाडिया तालाब विस्तार सिलतरा कार्य की स्वीकृति प्रदान की गई जिसकी लागत तकनीकी प्राकलन के आधार पर रू. 9.88 है । स्वीकृत कार्य दिनांक 13.05.2008 से प्रारंभ किया जाकर 10.07.2008 तक ग्राम पंचायत द्वारा सम्पन्न किया गया । कार्य की स्थिति पूर्ण हैं । उक्त कार्य में रोजगार की मांग करने वाले सभी 115 पंजीकृत परिवारों में 191 मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराया हैं । कार्य में कुल रू. 9,06,030 व्यय किया गया । जिसमें कुल 8634 मानव दिवस अर्जित किया गया है ।

स्वीकृत कार्य स्थल 1.5 हैक्टेयर के क्षेत्र में फैला है वर्षा ऋतु में तालाब की पश्चिम दिशा में स्थित पहाड से आने वाला पानी इस तालाब के लिए पानी के स्त्रोत का मुख्य साधन है । तालाब विस्तार के साथ—साथ इस कार्य में ग्राम वासियों के कृषि भूमि के लिए गेट का निर्माण भी कराया गया हैं । इस वर्ष जबकि कांकेर जिला में अल्प वर्षा के कारण सूखे की स्थिति निर्मित हो चुकी थी ऐसी परिस्थिति में तालाब में बने इस गेट से पानी निकासी कर ग्राम सिलतरा के कृषकों के कृषि के लिए सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई गई । जिसमें लगभग 300 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई का लाभ उठाया गया । जो ग्राम वासियों के वरदान साबित हुआ । ग्राम सिलतरा के कृषि उत्पादन क्षमता लगभग 12 क्विंटल प्रति एकड़ है, जो उन्हे सिंचाई सुविधा से अल्पवर्षा की स्थिति में भी प्राप्त हुआ । इस तालाब में सिंचाई के अलावा ग्रामवासियों के लिए निस्तार के सुविधा भी उपलब्ध हो रहा है ।

<u>सफलता की कहानी</u>

राष्ट्री ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से ग्राम पंचायत सिरसिदा में खुशहाली का माहौल

विकासखण्ड चारामा की ग्राम पंचायत सिरसिदा आश्रित ग्राम डेढ़कोहका जो राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 से 07 किमी की दूरी पर स्थित है । ग्राम की कुल जनसंख्या 1400 हैं । इस ग्राम में ग्रामीण एवं पंचायत विकास विभाग के रोजगार गारंटी योजना के तहत 04 कार्य स्वीकृत हुये है । जिसमें आंतरिक सड़क निर्माण, रोड निर्माण, तालाब सुदृढीकरण, घाट निर्माण प्रमुख है । ग्राम में कुल दो शासकीय तालाब है । दोना तालाब ग्राम के अंदर है । ग्रामवासियों के निस्तारी का मुख्य साधन तालाब है । आम और वन पेड़ो से आच्छादित यह ग्राम सडक किनारे के स्थित होने के कारण तालाब का विगत कई वर्षो से साफ–सफाई व गहरीकरण नही होने के कारण पानी अत्यंत दूषित हो गया है । जिससें ग्राव वालों अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ता था । ग्रामवासियों के मांग पर रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत तालाब गहरीकरण एवं सुदृढिकरण , घाट निर्माण के लिए ग्राम पंचायत का प्रस्ताव पारित कर जिला पंचायत उत्तर बस्तर कांकेर को स्वीकृति की अनुशंसा की गई । कार्य की प्राथमिकता को देखते हुए जिला पंचायत कांकेर के द्वारा 27 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई ।

अब तक ग्राम पंचायत के द्वारा 268 परिवारों को काम के लिए पंजीकृत किया गया । जिसमें से 227 मजदूर काम की मांग कर चुके है । और निर्वाध गति से काम कर रहे है । गांव में तालाब के गहरीकरण हो जाने से लोगों में खुशी देखा जा रहा है कि बरसात का पानी तालाब में एकत्रित होने से गांव में निस्तारी के सर्व सुविधा होगी एवं भू–जल स्तर में वृद्धि से कृषि के लिए भी यह उपयोगिता कारण सिद्व होगी । गांव में आंतरिक सड़क निर्माण होने से आवागमन के साधन बढने के साथ ही बरसात के दिनों में कीचड से राहत मिलेगा ।

सफलता की कहानी

विकास खंण्ड कांकेर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कापसी जिला मुख्यालय कांकेर के भानुप्रतापपुर मार्ग पर दक्षिण दिशा में 22.00 कि.मी की दूरी पर स्थिति है । इस ग्राम में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत 207 परिवार पंजीकृत जिसमें सदस्यों की संख्या 705 है । इस ग्राम पुर्व निर्मित तालाब का व्यर्थ पानी बह जाता था उसका उपयोग के लिए रोजगार गारंटी योजना के अन्तर्गत वर्ष 2008–09 में नाली निर्माण कोरियापारा के नाम 03.75 लाख रूपये की स्वीकृति हुआ । इस कार्य से 207 पंजीकृत परिवार को 30–35 दिनो तक रोजगार देते हुए लगभग 30–40 एकड़ फसल को अल्पवर्षा की स्थिति में इस वर्ष बचाया गया जिसमें 20–25 किसान लाभान्वित हुए है । प्रति एकड़ 3000/–के मान से 1,20,00000 रू. का फसल को इस वर्ष बचाया गया है । आने वाले वर्षो में भी इस प्रकार की लाभ ग्रामीणों को निरंतर मिलता रहेगा इस तालाब के बनने से सभी ग्रामीणजन खुश है ।

<u>सफलता की कहानी</u>

खुशहाल हुए किसान

विकास खण्ड कांकेर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत किरगोली जिला मुख्यालय कांकेर के उत्तर दिशा में भानुप्रताप मार्ग पर 9.00 किमी. की दुरी पर स्थिति है । इस ग्राम में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगारी गारंटी योजना के तहत 344 परिवार पंजीकृत जिसमें सदस्यो कि संख्या 1002 है ।इस ग्राम में रोजगार गारंटी योजना के अन्तर्गत वर्ष 2008–09 में तालाब निर्माण किरगोली के नाम से 10.00 लाख रूपयें की स्वीकृत हुआ। कार्य निर्माणधीन होते हुए भी इस वर्ष की अल्पवर्षा की स्थिति में 4–5 किसान श्री रमउ निषाद शिवप्रसाद दुगा ,अघन / निषाद , अमृत दुगा , दुग्गा टिबूल दुग्गा आदि का 15–18 एकड़ के धान के के फसल को सुखने से बचाया गया एक किसान श्री शिवप्रसाद दुग्गा के मछली डबरी को पानी से भरा गया तालाब निर्माण का कार्य पुर्ण होने के बाद प्रतिवर्ष 20–25 एकड़ आदिवासी एक हरिजन कृषकों की फसल को बचाया जायेगा । इस प्रकार इस परियोजना से 300 पंजीकृत परिवार को 45–50 दिनों का रोजगार देते हुए 30 एकड़ जमीन की फसल प्रति एकड़ 6000/– मे मान से रू. 1,80,00000 का फसल बचाया गया । आने वाले दिनों में भी इतने ही जमीन का फसल बचाया जायेगा । इस तालाब के बनने से सभी ग्रामीणजन खुश है ।

सफलता की कहानी

ग्राम पंचायत भीरागांव विकासखण्ड भानुप्रतापपुर अंतर्गत आता है । विकासखण्ड मुख्यालय से इसकी दूरी लगभग 15 किमी एवं जिला मुख्यालय से 65 किमी की दूरी पर स्थित हैं । यह अनुसुचित जनजाति बहुल्य पंचायत है । ग्राम पंचायत भीरागांव का कुल जनसंख्या 1700 है । इस पंचायत के अंतर्गत आश्रित ग्राम पुत्तरवाही व पारा मण्डापारा, पुडोपारा है । पुडोपारा एवं मण्डापारा से ग्राम पंचायत मुख्यालय भीरागांव में लोगों को आने–जाने में असुविधा होती थी । असुविधा को देखते हुए हितग्राहियों एवं पंजीकृत परिवारों के सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनांतर्गत डब्ल्यू.बी.एम. सडक़ निर्माण का मांग किया । ग्रामिणों के मांग के अनुसार जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर द्वारा जिला पंचायत कांकेर के अनुमोदन पश्चात डब्ल्यू.बी.एम. सडक निर्माण कार्य भीरागांव राशि रूपये 5.00 लाख का कार्य स्वीकृत किया गया, एवं संबंधित ग्रामिणों पंजीकृत परिवारों एवं हितग्राहियों को रोजगार उपलब्ध कराया गया । साथ ही आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराया गया । इस कार्य में 3017 कुल मानव दिवस सृजित किये । डब्ल्यू.बी.एम. सडक का निर्माण हो जाने से ग्रामिणों में रौनकता से हर्षात्साहित नजर आने लगे है ।